विकसित मप्र 2047 कार्ययोजना के तहत की जा रही प्लानिंग

उपनगरों व छोटे शहरों तक होगा मेट्रो का विस्तार

इंदौर। मप्र में इंदौर और भोपाल में मेट्रो ट्रेन के संचालन के बाद अब सरकार की योजना है कि इसे दोनों शहरों के आसपास के उपनगरों और छोटे शहरों से जोड़ा जाए। इसके लिए विकसित मप्र 2047 कार्ययोजना के तहत इसकी प्लानिंग की जा रही है। वहीं मेट्रो स्टेशनों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट से जोड़ा जाएगा। दरअसल, इंदौर और भोपाल मेट्रो जिस उम्मीद के साथ शुरू की गई थीं, उसको उतनी सफलता नहीं मिली है। इसलिए सरकार की कोशिश है कि एक बेहतर प्लानिंग बनाकर दोनों शहरों के आसपास के उपनगरों व छोटे शहरों तक मेट्रो का विस्तार किया गया।

गौरतलब है कि विधानसभा में विकास एवं आवास विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान मेट्रो परियोजना को लेकर संसदीय कार्य मंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने स्वीकार किया कि अधिकारियों ने मेट्रो की प्लानिंग जनप्रतिनिधियों से चर्चा किए बिना तैयार कर ली और इसे सीधे शहर पर लागू कर दिया। अब सरकार अलाइनमेंट की समीक्षा कर सुधार की कवायद शुरू करेगी। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सदन में कहा कि, भोपाल के सांसद आलोक शर्मा और विधायक रामेश्वर शर्मा ने उनसे मेट्रो को लेकर बैठक बुलाने का आग्रह किया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही भोपाल मेट्रो की समीक्षा बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें सभी जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर विस्तृत चर्चा की जाएगी। प्रदेश के दो शहर- इंदौर और भोपाल को मेट्रोपॉलिटन रीजन के रूप में विकसित किया जाएगा। इसमें इंदौर और भोपाल से जुड़ने वाले शहरों तक मेट्रो रेल का विस्तार किया जाएगा। पहला मेट्रोपॉलिटन एरिया इंदौर, उज्जैन, देवास, धार को मिलाकर बनाया जा रहा है। दूसरा मेट्रोपॉलिटन एरिया भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा, ब्यावरा (राजगढ़) को मिलाकर बनाया जा रहा है। इधर, मास्टर प्लान भी बनकर तैयार है। इसे एक बार मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव के समक्ष रखा जाएगा। संभवतः मेट्रोपॉलिटन एरिया को लेकर मास्टर प्लान में पुनर्विचार कर री-ड्राफ्ट बनाया जा सकता है।

दूसरे शहरों में मेट्रो प्रोजेक्ट पर काम की तैयारी–सूत्रों का कहना है कि इंदौर और भोपाल जैसे शहरों के मास्टर प्लान लागू करने के बजाए अब सरकार प्रदेश के दूसरे शहरों में मेट्रो प्रोजेक्ट पर काम आगे बढ़ाने की तैयारी कर रही है। नई रणनीति के तहत मेट्रो का उपनगरों तक विस्तार किया जाएगा। विकसित मध्य प्रदेश 2047 की कार्ययोजना के तहत यह प्लानिंग की जा रही है। इसमें भोपाल से विदिशा, भोपाल से नर्मदापुरम और भोपाल से रायसेन के बीच मेट्रो चलाई जाएगी। इसी तरह इंदौर से देवास, इंदौर से महू और इंदौर से उज्जैन के बीच भी मेट्रो का चलाई जाएगी। मेट्रो प्रोजेक्ट पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अधिकारी, विभागीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय प्रस्तुतीकरण देंगे। इससे पहले मेट्रो के विस्तार के प्रस्तावित शहरों के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की जाएगी। इंदौर-भोपाल में मेट्रो को पब्लिक ट्रांसपोर्ट से भी जोड़ा जाएगा। मेट्रो स्टेशनों पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसे बसें चलाई जाएगी। ताकि यात्री मेट्रो से उतरकर बस से अपने गंतव्य तक पहुंच सके। मेट्रो स्टेशनों के पब्लिक ट्रांसपोर्ट को ग्रामीण परिवहन तक जोडऩे की योजना है।

जबलपुर और ग्वालियर की मेट्रो परियोजना होगी तैयार–नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का कहना है कि सरकार की पूर्व से ही शहर में मेट्रो चलाने की कोई योजना नहीं थी। शहर को डिसेंट्रलाइज करने के लिए भोपाल से नर्मदापुरम, रायसेन के बीच चलाया जाना था। वहीं इंदौर से देवास, महू, उज्जैन के बीच मेट्रो चलाने का प्लान था, लेकिन बीच में 15 माह की कमल नाथ सरकार ने आकर भूमिपूजन कर कम शुरू कर दिया। अब पूर्व की योजना के तहत इसका विस्तार कर उप नगरों तक मेट्रो चलाई जाएगी। वहीं सिटीज फॉर टुमारो यानी कल के लिए शहर कैसा हो, इस परिकल्पना के तहत ही मेट्रो का विस्तार किया जाएगा। इसके तहत जबलपुर और ग्वालियर की मेट्रो परियोजना तैयार की जाएगी, शहर के बाहर छोटे नगरों तक मेट्रो चलाई जाएगी।

बस यूं ही...

शांता पारेख, इन्दौर
9425311944

ट्विन फ्लूट

तगाराम भील नामक एक सज्जन जैसलमेर के पास छोटे से गांव मे रहते है, कच्ची झोंपड़ी जो कई अवार्ड के सजी हुई है, वे एक विचित्र वाध्य बजाते है, दो बांसुरी एक साथ इसे वे अलगोझा कहते है, इतना मधुर कि मरू महोत्सव की शान माने जाते है, इसका निर्माण भी स्वयं करते है. विदेशी मेहमान दीवाने है इनके, कोई संगत भी नहीं, अपनी खटिया बाहर खुले मे बिछा के जो स्वर लहरिया थार के निर्जन धोरों बिखराते है, मंत्रमुग्ध कर देते है कोई शिष्य नही, खुद ही मन की मौज से सीखा, कोई जन्मजात प्रतिभा ही कहना चाहिए.

अब उन्होंने मिट्टी का एक हॉल बना लिया है, कई मंचों से जो धन मिलता उससे दो जीप खरीद ली है, जो उनके बेटे चलाते है. उनके बेटे कोई रूचि नहीं रखते इस वादन मे, वे दिन भर रीले बनाते व ग्राहक आने पर गाड़ी चलाते है. पंद्रह देशो के मंचों पे प्रस्तुति दे चुके है, पैंतीस साल से बजा रहे है. विदेशी लोग वहां का रुखा सूखा भोजन खा कर, महीना भर सीखते है फिर वे बना कर बांसुरी का सेट उनको देते है. उनके गांव का नाम मूलसागर है उनको अभी एक सरकारी पत्र मिला है जो उन्होंने दिखाया जिसमे उन्हें अब पद्मश्री दी जाएगी,

उनको दुख है कि उनकी विरासत को देश मे कोई नही आगे लें जाने वाला, पर विदेशी बहुत प्यार दे रहे है. क्या सच मे घर की मुर्गी दाल ही होती क्या?ये सब मुझे एक सोलो ट्रैवेलर ने बताया सारे फोटो भी दिखाए व वादन का वीडियो भी दिखाया.

छात्रों की हुंकार : लालबाग से कलेक्ट्रेट तक उमड़ा छात्र शक्ति का सैलाब, चुनाव बहाली की उठी मांग

इंदौर/ संवाददाता/ मध्य प्रदेश में लंबे समय से लंबित छात्र संघ चुनावों की बहाली और छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आज इंदौर की सड़कों पर छात्र शक्ति का अभूतपूर्व नजारा देखने को मिला।

आईपीएस कॉलेज के छात्र प्रतिनिधि वीरेंद्र गुर्जर (दूधिया) के नेतृत्व में आयोजित छात्र अधिकार पदयात्रा में हजारों की संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया और अपनी मांगों को लेकर बुलंद आवाज उठाई। तय कार्यक्रम के अनुसार, आज प्रातः 10:00 बजे ऐतिहासिक लालबाग पैलेस से इस पदयात्रा का आगाज हुआ। हाथों में तख्तियां और छात्र एकता के बैनर लिए युवाओं का हुजूम जैसे ही सड़कों पर उतरा, चारों ओर छात्र एकता जिंदाबाद के नारे गूंज उठे। यह यात्रा शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होती हुई कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंची, जहाँ युवाओं में वर्तमान व्यवस्था के खिलाफ भारी आक्रोश और जोश देखा गया।

कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद वीरेंद्र गुर्जर (दूधिया) के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से मुलाकात की और मुख्यमंत्री के नाम एक विस्तृत ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। इस दौरान छात्रों ने स्पष्ट रूप से मांग की कि प्रदेश के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पुनर्जीवित करने के लिए छात्र संघ चुनाव तत्काल बहाल किए जाएं। ज्ञापन में कैंपस के भीतर छात्रों की आवाज को दबाने की कोशिशों के खिलाफ एकजुटता दिखाने और शिक्षा प्रणाली में सुधार के साथ-साथ छात्रों की बुनियादी समस्याओं के त्वरित निराकरण की बात भी प्रमुखता से कही गई।

पदयात्रा के समापन पर छात्रों को संबोधित करते हुए वीरेंद्र गुर्जर (दूधिया) ने कहा कि आज कलेक्ट्रेट की दहलीज पर गूंजने वाली यह आवाज केवल एक शुरुआत है और जब तक छात्रों को उनके लोकतांत्रिक अधिकार नहीं मिल जाते, यह संघर्ष निरंतर जारी रहेगा।

आज शनिधाम में फाग उत्सव, 51 किलो ठंडाई का होगा वितरण

इंदौर। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी उषा नगर स्थित गजासीन शनिधाम में महामंडलेश्वर दादू महाराज के सानिध्य में भव्य फाग महोत्सव मनाया जाएगा।

संध्या 7 से 9 बजे तक फूलों व गुलाल से मनाया जाएगा, तत्पश्चात आरती होगी। साथ ही 51 किलो काजू, बादाम, ड्रायफ्रूट्स की ठंडाई का वितरण होगा।

प्रसिद्ध भजन गायक पं. सौरभ दुबे (लाडला) द्वारा फाग भजनों की सुमधुर प्रस्तुति दी जाएगी। जल का बचाव सदुपयोग करते हुए सिर्फ केमिकल रहित गुलाल एवं सूखे रंगों से ही फाग उत्सव मनाया जाएगा।

दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद चुनाव, 30 आपत्तियों का निराकरण, 700 से अधिक मतदाता

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 28 फरवरी को होगी जारी

इंदौर। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद, इंदौर के अध्यक्ष पद के आगामी चुनाव के तहत आज 27 फरवरी को मुख्य चुनाव कार्यालय में आपत्तियों के निराकरण को लेकर बैठक आयोजित की गई । राजेश जैन दद्दू ने बताया कि यशवंत प्लाज़ा स्थित एस 118 में आयोजित बैठक में प्राप्त 30 आपत्तियों पर विचार कर उनका निराकरण किया गया ।

पूर्व न्यायधीश और मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नरेंद्र कुमार जैन ने बताया कि कुल 30 आपत्तियाँ प्राप्त हुई हैं, जिनका आज उचित निराकरण किया गया है । 125 से अधिक मंदिरों से 720 से अधिक मतदाता निर्वाचन में शामिल होंगे । वर्तमान में 130 मंदिरों से जुड़े 720 से अधिक मतदाता सूची में शामिल हैं । मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 28 फरवरी शनिवार को कार्यालय में किया जाएगा ।

इसके साथ ही चुनाव कार्यक्रम के अगले चरण की औपचारिक प्रक्रिया प्रारंभ होगी । कार्यवाहक अध्यक्ष श्री दिलीप पाटनी ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नरेंद्र कुमार जैन के नेतृत्व में शुक्रवार को आयोजित बैठक में अधिवक्ता श्री राजेन्द्र कुमार बंडी, अधिवक्ता श्री सुनील कुमार जैन, अधिवक्ता श्री अतुल प्रकाश जैन, अधिवक्ता अभय जैन, अधिवक्ता वीरेंद्र जैन, अधिवक्ता श्री शुभम जैन, अधिवक्ता श्रीमती कल्पना गोहिल, रिटायर्ड डीएसपी डी के जैन, श्री प्रिंसपाल टोंग्या और अन्य उपस्थित थे ।

निर्वाचन कार्यक्रम -अध्यक्ष पद का चुनाव: 15 मार्च

अंतिम मतदाता सूची प्रकाशन: 28 फरवरी

नामांकन फॉर्म जमा: 1 मार्च से 2 मार्च (2 मार्च को शाम 4:30 बजे के बाद फॉर्म स्वीकार नहीं होंगे)

नामांकन जांच: 3 मार्च

नाम वापसी एवं प्रत्याशियों की सूची का कार्यालय पर प्रकाशन : 5 मार्च को जारी

मतदान स्थल: उदासीन आश्रम, एमजी रोड, इंदौर, मप्र

मतदान समय: 15 मार्च 2026, सुबह 11 से शाम 4 बजे तक

मतगणना व परिणाम: 15 मार्च, शाम 5 बजे

रिश्वतखोर पटवारी को 3 साल की कैद व 25 हजार अर्थदंड

इन्दौर। लोकायुक्त पुलिस इंदौर ने करीब पांच साल पहले 27 सितंबर 2021 को एक ट्रैप कार्रवाई में बटवारा एवं नामांतरण पावती बनाने के लिए फरियादी से 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगने वाले रिश्वतखोर पटवारी को पकड़ विवेचना उपरांत प्रकरण चालान कोर्ट में पेश किया था। ट्रायल के दौरान आरोपी पटवारी पर आरोप सिद्ध होने के बाद सक्षम न्यायालय ने उसे दोषी करार देते तीन साल की कैद की सजा से दंडित किया है। रिश्वत लेते पकड़ाएं पटवारी का नाम चिंताराम पटेल है जिसे कोर्ट ने तीन वर्ष की कैद व पच्चीस हजार रुपए जुर्माने से दंडित किया। लोकायुक्त एसपी डॉ. राजेश सहाय के अनुसार हल्का नंबर 50 जमाली कला तहसील पंधाना (खंडवा) में पदस्थ आरोपी पटवारी चिंताराम को फरियादी राकेश मौर्य ग्राम की शिकायत पर 27 सितंबर 2021 को पांच हजार रुपए रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा था। आरोपी पटवारी ने बटवारा एवं नामांतरण पावती बनाने के लिए फरियादी से 10 हजार रुपए की मांग की थी। बाद में पांच हजार रुपए लेते पकड़ा गया था।

सड़क मंत्री की गंभीर चिंता वाजिब

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने देश में बढ़ते सड़क हादसों पर गंभीर चिंता जताई है. उन्होंने कहा कि हर साल करीब 5 लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं. जिससे 1.80 लाख मौतें जिनमें ओवरस्पीड, बिना हेलमेट, सीट बेल्ट न लगाने, नशे में गाड़ी चालन, मोबाईल पर बात करते ड्राविंग दुर्घटना के प्रमुख कारण हैं. उन्होंने वाहन चालक बच्चों की मौतों पर भी चिंता जताई है. वाहनों में नई टेक्नोलॉजी के उपयोग व कारों में 6 एयरबैग लगाने की बात के साथ ही परिवहन नियमों का पालन करने का भी चालकों से आग्रह किया है. सरकार की दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचाने वाले को 25 हजार देने की योजना भी चल रही है. ताकि दुर्घटना में बढ़ते हादसों से होने वाली दुखद मौतों पर अंकुश लग सके. वैसे सरकार तो हर कोशिश कर रही है जिससे वाहन चालक जागरूक हों और असामयिक मौतें रुकें. ट्रैफिक पुलिस और उसका विभाग भी यदि सदैव अभियान चलाते रहे और खानापूर्ति से इतर सही मार्गदर्शन चालकों को देते रहे तो भी काफी हद तक सड़क दुर्घटनाओं को रोका सकता है।

शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

होम्योपैथी विशेषज्ञों का महाकुंभ, राष्ट्रीय होम्योपैथी कॉन्फ्रेंस इंदौर में 01 मार्च को

इंदौर समाचार प्रतिनिधि। राष्ट्रीय होम्योपैथी कॉन्फ्रेंस-2026 का आयोजन रविवार 01 मार्च को किया जा रहा है। इस 12वी कॉन्फ्रेंस मे आयुष मेडिकल वेलफेयर फाउंडेशन, एडवांस्ड होम्योपैथिक सोसाइटी सेहत एवं सूरत, होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की मध्यप्रदेश इकाई सहयोगी संस्थानों के रूप में सहभागी हैं।

सांसद सेवा प्रकल्प, इंदौर एवं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के संयुक्त सहयोग से ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में संपन्न होने वाला यह सम्मेलन शहर में होम्योपैथी चिकित्सा, अनुसंधान और अकादमिक उत्कृष्टता का एक नया अध्याय लिखेगा।

आयोजन चेयरमैन डॉ. ए. के. द्विवेदी ने कहा, इंदौर की मेजबानी में पहली बार विशाल स्तर पर %स 2026, राष्ट्रीय होम्योपैथी कॉन्फ्रेंस का आयोजन हम सभी के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। पिछले 27 वर्षों से अप्लास्टिक एनीमिया जैसी जटिल बीमारियों और जनस्वास्थ्य जागरूकता के लिए कार्य करते हुए मैंने अनुभव किया है कि होम्योपैथी असाध्य रोगों के समग्र और सुरक्षित उपचार में एक अत्यंत सशक्त विकल्प है।

इस राष्ट्रीय महाकुंभ के माध्यम से हमारा उद्देश्य केवल चिकित्सा पद्धतियों पर चर्चा करना नहीं है, बल्कि शोध और अकादमिक उत्कृष्टता का एक ऐसा मंच तैयार करना है जो इंदौर को राष्ट्रीय स्तर पर होम्योपैथी के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करे। यह आयोजन निश्चित ही स्वास्थ्य और अनुसंधान के क्षेत्र में एक नई दिशा तय करेगा।

आयोजन सचिव डॉ. विकास सिंघल ने बताया कि यह राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस होम्योपैथी के क्षेत्र में नवीनतम शोध, नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को साझा करने का एक ऐतिहासिक अवसर है। हड्डी रोगों और अन्य जटिल बीमारियों के समग्र उपचार में होम्योपैथी की असीमित संभावनाएं हैं। इस सम्मेलन में देशभर से आ रहे विशेषज्ञ वक्ता और युवा शोधकर्ता जब एक ही मंच पर अपने क्लिनिकल अनुभव और शोध पत्र साझा करेंगे, तो यह पूरे चिकित्सा जगत के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

यह सम्मेलन हमारे अकादमिक संवाद को उच्च स्तर पर ले जाने का एक साझा प्रयास है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह आयोजन होम्योपैथी चिकित्सा के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा।

कार्टून कोना...

इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एक्सपो 2026 का ऐतिहासिक शुभारंभ

इंदौर इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एक्सपो 2026 का भव्य शुभारंभ लाभगंगा परिसर में हुआ। 27 फरवरी से 02 मार्च तक चलने वाले इस महाआयोजन ने उद्योग जगत की ऊर्जा, नवाचार और तकनीकी शक्ति को एक मंच पर ला खड़ा किया। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई और पूरे परिसर में उत्साह का माहौल छा गया।

दमदार नेतृत्व, भव्य मंच– इस ऐतिहासिक अवसर पर मध्य प्रदेश शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

उनकी उपस्थिति ने आयोजन को नई ऊंचाई दी साथ ही विधायक गोलू शुक्ला और भाजपा इंदौर नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने भी मंच की गरिमा बढ़ाई।

13 वर्षों की अटूट परंपरा, हर साल नया कीर्तिमान– आयोजक संस्था स्रह्हह्हह्ह्द्ध ष्टश्वद्वद्वह्वठ्ठद्बष्ड्डह्वद्बशठ्ठह्य श्व1द्गठ्ठह्लह्य × श्वद्बद्वड्डह्वह्लद्बश्ठ्ठ क्काह्व. स्रह्स. के डायरेक्टर श्री लक्ष्मण दूबे ने बताया कि यह एक्सपो पिछले 13 वर्षों से उद्योगों को जोड़ने का सशक्त माध्यम बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि हर वर्ष यह आयोजन आकार, प्रभाव और भागीदारी के नए रिकॉर्ड बना रहा है – और इस बार का संस्करण अब तक का सबसे भव्य है।

250 स्टॉल्स, करोड़ों की तकनीक, लाइव डेमो का रोमांच–करीब 250 से अधिक स्टॉल्स पर देश की अग्रणी मशीन निर्माता कंपनियों ने अपनी अत्याधुनिक मशीनरी और तकनीकी समाधान प्रदर्शित किए हैं। सबसे बड़ा आकर्षण ङ्क विशाल मशीनों द्वारा उत्पादों का लाइव निर्माण प्रदर्शन, जिसे देखकर विजिटर रोमांचित नजर आए। यह एक्सपो केवल देखने का नहीं, बल्कि अनुभव करने का मंच बन गया है।

देशभर के उद्योगपतियों का महाजुटान–मुंबई, दिल्ली जैसे औद्योगिक महानगरों से लेकर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश तक के उद्योगपतियों ने यहां अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई।

यह आयोजन अब क्षेत्रीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर का औद्योगिक मंच बन चुका है।

वि. ०७ वे संयुक्त दिवानी न्यायाधीश
(ज्युनियर डिव्हीजन) अकोला के न्यायालय में महाराष्ट्र
"कारण बताओ नोटीस"
(सामान्य प्रपत्र)
(Sch. 1, App. H, Form 4)
Civil M.A. No.- 2066/2024
सुनवाई तिथि : 02.03.2026

नंदा ......विरुध्द...... मनोजकुमार

बनाम :– मुकेश रामनाथ यादव

निवासी :– वार्ड बी, राम नगर, खंडवा, तहसील और जिला खंडवा, मध्य प्रदेश,

चूकि उपरोक्त नामित आवेदक ने इस न्यायालय में बॉम्बे रेगुलेशन एक्ट, १८२७ की धारा २ के तहत कानूनी उत्तराधिकार प्रमाणपत्र (LEGAL HEIRSHIP CERTIFICATE) प्रदान करने के लिए आवेदन किया है । आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप स्वयं या विधिवत निर्देश प्राप्त किसी अधिवक्ता (Pleader) के माध्यम से दिनांक ०२/०३/२०२६ को सुबह ११.०० बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर उक्त आवेदन के विरुध्द कारण प्रस्तुत करें । ऐसा न करने पर, उक्त आवेदन पर एकपक्षीय (Ex-party) सुनवाई की जाएगी और निर्णय लिया जाएगा । यह भी ध्यान रखें कि यदि आप उपर उल्लिखित तिथि को या उससे पहले सेवा के लिए अपना पता दाखिल करने में विफल रहते है, तो आपका बचाव (defence) खारिज किया जा सकता है। आज दिनांक २६/०२/२०२६ को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर के तहत जारी किया गया।

सिल

आदेशानुसार,
अधिक्षक
दिवाणी न्यायालय (सीनियर डिवीजन),
अकोला